UGC NET

Fillerform **Live** NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य

DAILY 12:00

इकाई-1 (भाग-6)

अपभ्रंश अवहठ और पुरानी हिंदी का संबंध

BY JYOTI MA'AM

Congratulations
Fillerform JRF Students

Mona
EDUCATION

Nakum
COMMERCE

Harkiesh
Hindi

Suman
HISTORY

Radha
ECONOMICS

Archana
Hindi

Kafeel
Hindi

Ravindra Singi
home SCIENCE

Prabhakar
Sanskrit

SHRUTI
COMMERCE

SUKHA
Hindi

SAURABH
E.Science

bhagyashwa
COMMERCE

Gaurav
Law

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

1 5 K Sub

YouTube

2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

NET Free Class

09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd

Fillerform

8209837844

हिन्दी सिलेबस

www.ugc-net.com

इकाई - I

हिन्दी भाषा और उसका विकास।

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना –उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रुप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्पूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवानागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

8209837844

www.ugc-net.com

अपभ्रंश अवहठ और पुरानी हिंदी का संबंध

8209837844 www.ugc-net.com

अपभ्रंश अवहठ और पुरानी हिंदी का संबंध

1) भाषा वैज्ञानिकों के बीच विवाद का विषय है और अवहठ अपभ्रंश से स्वतंत्र कोई भाषा है अथवा अपभ्रंश का एक रूप है।

2) डॉ भोलानाथ तिवारी :- के विचार में मूलतः संस्कृत से भ्रष्ट हुई भाषा को अपभ्रंश और अपभ्रष्ट कहा है ।इनके मत में अपभ्रंश अवहठ एक भाषा के दो नाम है।

8209837844 www.ugc-net.com

3) अपभ्रंश काल के अंतिम छोर की भाषा में इतना परिवर्तन हो गया है कि उसे नामांतर देना पड़ा है यही नया नाम है अवहठ |

अपभ्रंश ⟷ अवहठ

(पूर्ववर्ती अपभ्रंश) **अपभ्रंश काल** (परवर्ती अपभ्रंश)

8209837844 www.ugc-net.com

4) डॉ रामचंद्र शुक्ल,डॉ रामकुमार वर्मा,डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी:- अपभ्रंश से हिंदी साहित्य के संबंध का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है हिंदी साहित्य के प्राय सभी इतिहासकारों में आदिकाल के अंतर्गत अपभ्रंश साहित्य को भी रखा है।

5) सामान्य रूप से यह धारणा प्रचलित है कि हिंदी का आरंभ वीरगाथाओ से हुआ वीरगाथा ही वह प्राणधारा है जिसका विकास अपभ्रंश से हिंदी में हुआ।

8209837844
www.ugc-net.com

6) संस्कृत से पाली प्राकृत और अब अपभ्रंशो तक की विकास यात्रा तथ्य से परिचित कराती है कि क्रमशः इन भाषाओं की प्रवृतियाँ भाषा को अधिकाधिक मधुर उच्चारण में संगम तथा बोलचाल की भाषा के शब्दों को अपने में अधिकाधिक समाहित कर रही है यही प्रवृत्ति आगे चलकर अपभ्रंशो से आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के विकास पर दृष्टिगत होती है।

7) हिंदी की सभी बोलियां या तो शौरसेनी अपभ्रंश से विकसित हुई जैसे ब्रजभाषा और खड़ी बोली व अर्धमगधी अपभ्रंश से अवधि, बघेली और छत्तीसगढ़ी |

8) अपभ्रंश से विकसित होने के फलस्वरुप जो व्याकरणिक विशेषताएं अपभ्रंश में थी वह हिंदी में भी दृष्टिगत होती है

9) अपभ्रंश में व्यंजनों के स्थान पर स्वरों का प्रयोग होने लगा था। यह प्रवृत्ति हिंदी में भी दृष्टिगत होती है

अपभ्रंश की प्रवृत्ति ⟷ ब्रज व अवधि की प्रवृत्ति

उकार बहुला

उकार बहुला

(जनु मनु)

8209837844 www.ugc-net.com

10) अपभ्रंश में दिव्य शब्दों का प्रयोग जो कि अब हिंदी में भी (पब्ब- बाप्पू)

11) अनेक सर्वनाम भी अपभ्रंश और आधुनिक हिंदी में मिलते हैं जैसे तुम्ह, तुम्हार, काइ,कोउ

12) लोकोक्ति और मुहावरे में अपभ्रंश और हिंदी में समान पाए जाते हैं

13) अन्य समानताएं -सांकेतिक भाषा और प्रतीकों का प्रयोग रूपक और उपमा अलंकारों का प्रयोग |

14) हिंदी व्याकरणिक और साहित्य अलंकरण की समानता देखते हुए कवि विद्वानों ने जैसे **"चंद्रधर शर्मा गुलेरी" "राहुल सांकृत्यायन, डॉक्टर धीरेंद्र वर्मा और आचार्य शुक्ल** ने कहा है। अपभ्रंश ,अवहठ और प्रारंभिक हिंदी (पुरानी हिन्दी) की मूल प्रवृत्तियां आज भी हिंदी की बोलियां ब्रज, अवधी, खड़ी और राजस्थानी हिंदी में पाई जाती है|

8209837844 www.ugc-net.com

15) जैन कवियों के काव्य ग्रंथ नाथो और सिद्धों के साहित्य में जो विशेषताएं पाई जाती है वह हिंदी के प्रारंभिक काव्यो- रासो ग्रंथों प्रेमाख्यानक काव्यो, कबीर आदि संतों की वाणी में भी देखने को मिलते है।

16) मध्य काल के हिंदी कवि सूर, तुलसी, मीरा और रीतिकाल के कवि बिहारी पर भी अपभ्रंश के काव्यों का प्रचुर प्रभाव दृष्टिगोचर होता है।

17) रीतिकाल के श्रृंगारी कवियों विशेषता बिहारी पर अपभ्रंश के **"गाथा सप्तशती"** का प्रभाव इतना अधिक है कि लगता है जैसे अपभ्रंश की काव्य पंक्तियों को ही हिंदी में रूपांतरित कर दिया है।

8209837844

www.ugc-net.com

सारांश

- हिंदी का परवर्ती साहित्य अर्थात आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक या कहें रासो काव्य से लेकर रीतिकाल के श्रृंगारि काव्य तक अपभ्रंश काव्य से प्रभावित हैं।
- भाषा और काव्य रूप और वर्ण्य विषय सभी दृष्टियो से हिंदी काव्य अपभ्रंश काव्य (अवहठ काव्य) का ऋणी है।

8209837844

www.ugc-net.com

प्रश्न किस तिथि को हिंदी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com